एक नजर में

भाजपा ने किया संतों का सम्मान

उज्जैन। सनातन परंपरा के तहत आज भगवान महाकाल के साथ ही हमारी नगरी से प्रमुख रूप से जुड़ा हुआ गुरु सांदीपनि जी का भी बड़ा महत्व है और गुरु शिष्य की इस परंपरा का निर्वहन करते हुए उज्जैन नगर के आश्रमों में स्थित संत महंतों का आज भारतीय जनता पार्टी महानगर द्वारा उनका पूजन स्वागत अभिनंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उपरोक्त जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी दिनेश जाटवा ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक जगदीश पांचाल, सहसंयोजक मुकेश यादव के संयोजन में नगर के संतो महंतों का अभिनन्दन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर वाल्मीकि धाम के बाल योगी उमेश नाथ जी महाराज, भर्तृहरि गुफा के पीर रामनाथ महाराज, महावीर नाथ जी महाराज, निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर रामकृष्ण गिरी महाराज, आचार्य शेखर महाराज, निर्वाणी अखाड़े के महेश दास जी महाराज, दिग्विजय दास महाराज, रामचंद्र महाराज, महामंडलेश्वर सुमनानंद महाराज, मुनी शरण दास महाराज, महंत डॉ. रामेश्वर दास महाराज आदि संतों का स्वागत सम्मान किया गया। संतों के स्वागत सम्मान में विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, सुभाष डोडीया, ऋषि वर्मा, गोपाल खटके, पार्षद हेमंत गहलोत, मंडल अध्यक्ष रितेश जटिया, अजय तिवारी, परेश कुलकर्णी, मुक्तक गोस्वामी, विजय चौहान, गजेंद्र खत्री, शानू मेहता, घनश्याम राठौर, मंगेश श्रीवास्तव, दीपक वैष्णव, आशीष यादव, कुलदीप पांचाल, संतोष कोलवल, वीरेंद्र त्रिवेदी सहित अनेक प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

गुरु दीक्षा एक प्रकार का आध्यात्मिक परिणय

उज्जैन। गुरु दीक्षा दो आत्माओं की आध्यात्मिक क्षेत्र की घनिष्ठता है। जिसमें दुर्बल पक्ष को सबल के साथ जुड़ जाने जैसा लाभ मिलता है। यह जानकारी देव संस्कृति विश्वविद्यालय शांतिकुंज हरिद्वार से आए कुलदीप कुमार ने गायत्री शक्तिपीठ पर गुरु दीक्षा संस्कार करते हुए नव दीक्षितों के को दी। आपने बताया कि गुरु दीक्षा आपसी लेनदेन का संबंध है। शिष्य अपने को गुरु को समर्पित करता है गुरु उसे अपने तपोबल से शिष्य की आत्मा को ऊंचा उठाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ता। यहां पर 85 से अधिक श्रद्धालुओं ने दीक्षा ली। पुराने दीक्षितों की दीक्षा का नवीनीकरण कराते हुए श्री कुलदीप जी ने दीक्षा अनुबंधों का स्मरण करते हुए बताया कि उपासना, साधना और आराधना समयदान और अंशदान में नियमितता से दीक्षा फलित होती है अत : इसमें व्यतिरेक ना आने दें। एक अन्य संस्कार में 36 बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार कराते हुए बानप्रस्थी रमेश चंद्र लेवे जी ने बटुकों को बताया कि यज्ञोपवीत गायत्री की प्रतिमूर्ति हैं। अपनी बुद्धि को सात्विक ,सन्मार्गगामी बनाने के लिए सचेष्ट रहना चाहिए यह गायत्री मंत्र की शिक्षा है। आपने बटुकों को बताया कि सत्य ,प्रेम और न्याय की भावनाओं को हृदमंगम करने और उनके अनुसार आचरण में प्रवृत्त होने पर हम देवऋण, ऋषि ऋण और पितृऋण से छुटकारा पाते हैं और जीवन मुक्त होकर परम पद पाने के लिए स्वतंत्र हो जाते हैं, यही यज्ञोपवीत तीन तारों में निहित प्रेरणा और शिक्षा है। संस्कारों के क्रम में यहां पुंसवन, मुंडन और विद्यारंभ संस्कार भी कराए गए। प्रात : काल पर्व पूजन के अंतर्गत यहां सजल श्रद्ध – प्रखर प्रज्ञा का विशेष अभिषेक पूजन हुआ इसके बाद 9 कुण्डीय यज्ञशाला ने 300 से अधिक याजकों द्वारा आहुतियां प्रदान की गईं। यज्ञ का संचालन हरिद्वार से आए अंकित यादव ने किया। इस अवसर पर नगर में शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य के लिए नीलम खत्री, सुनील खत्री, डॉ माधवी वर्मा, दीपिका सोलंकी, बबिता पाराशर, सीमा वशिष्ठ का अभिनंदन जेपी यादव व्यवस्थापक गायत्री शक्तिपीठ ने किया गया। 150 जामुन के पौधे वितरित किए गये। यज्ञ संस्कार के बाद श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था भी की गई थी।

निकाला विशाल ध्वज चल समारोह

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले की महिदपुर तहसील स्थित नारायणधाम परंपरा अनुसार आज गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भव्य ध्वज चल समारोह निकाला। श्री कृष्ण सुदामा उत्सव समिति के सदस्य ने बताया कि आज के ध्वज चल समारोह का सौभाग्य श्री रतन सिंह जी आंजना, मंजू बाई एवं अमर सिंह आंजना जानावाद को मिला। नारायणधाम में निकल चल समारोह में बैंड ढोल ताशे दल इत्यादि शामिल थे। संपूर्ण नारायणा धाम धार्मिक नारों से गूंज उठा तथा चल समारोह का जगह-जगह स्वागत किया गया। चल समारोह में श्रद्धालु जन नाचते गाते चल रहे थे। चल समारोह के पश्चात ध्वज रोहन किया गया और भोजन प्रसादी का भंडारा शुरू हुआ। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भगवान श्री कृष्ण एवं सुदामा का आकर्षक श्रृंगार किया गया। नारायणधाम निवासी रुघुनाथ आंजना ने चल समारोह की आरती उतारी एवं भव्य स्वागत किया गया।

कच्ची शराब के साथ गिरफ्त में आये 3 आरोपी

उज्जैन। शहर में 1 अप्रैल से शराब पर प्रतिबंधि लगाया जा चुका है। देशी-विदेशी शराब की दुकाने नगर निगम सीमा से बाहर कर दी गई है। जिसके चलते हाथ भट्टी से बनी कच्ची शराब का शहर में प्रवेश होता दिखाई दे रहा है। मंगलवार-बुधवार रात नीलगंगा थाना पुलिस को सूचना मिली कि वाकणकर ब्रिज के पास निर्माणाधीन पार्किंग की खाली बिल्डिंग में मजदूरों के लिये कच्ची शराब लाई गई है। थाना प्रभारी तरुण कुरील ने एसआई वर्षा सोलंकी, प्रधान आरक्षक दिग्विजयसिंह, आरक्षक दीपक दिनकर और महेन्द्र की टीम को पड़ताल के लिये रवाना किया। टीम ने बिल्डिंग में दबिश मारी तो वहां से बाबूलाल पिता सिद्धूजी निवासी जैथल टैक, अमरसिंह पिता रमेश अहिरवार निवासी शाजापुर और अजय पिता लक्ष्मीनारायण निवासी बिलपांक रतलाम को पकड़ा गया। उसके पास 15 लीटर कच्ची शराब की केने बरामद हुई। तीनों को थाने लाया गया, जहां मामले में आबाकरी अधिनियम एक्ट की धारा 34, 49 (ए) का प्रकरण दर्ज किया गया। बताया जा रहा है कि तीनों आरोपित मजदूरी करते है और मजदूरों को बेचने के लिये शराब लेकर आये थे। पुलिस शराब लाने के ठिकाने का पता लगा रही है। फिलहाल तीनों को बुधवार दोपहर कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया है।

5 हजार का इनामी फरार आरोपी पकड़ाया

उज्जैन। अभिभाषक और दो साथियों का कट्टे की नोक पर कार में अपहरण करने वाले आरोपियों में शामिल एक आरोपी को नागझिरी से पुलिस ने गिर तार किया है। जिस पर 5 हजार रुपए का इनाम था। पूर्व में अपहरण के मु य आरोपी सहित 7 लोगों को पुलिस गिर तार कर चुकी है। नीलगंगा थाना पुलिस ने बताया कि 7 अप्रैल को जमीन विवाद में अभिभाषक उमेश नामदेव अपने दो साथी अजय विश्वकर्मा और अनिल चंदेल के साथ रियल स्टेट का काम करने वाले संदीप बोस के ऑफिस बड़नगर बायपास मार्ग पर पहुंचे थे। अजय और संदीप के बीच जमीन का विवाद चल रहा था। बातचीत के दौरान संदीप के 8 से 10 साथियों ने अभिभाषक और उनके दोनों साथियों का कट्टे की नोक पर अपहरण कर लिया था और ग्राम रातड़िया ले जाकर मारपीट की थी। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज करने के बाद मुख्य आरोपी संदीप जाट और सात अन्य को गिर तार कर जेल भेज दिया था। अपहरण में शामिल निलेश आंजना निवासी अंबोदिया तीन माह से फरार चल रहा था। जिसकी गिर तारी पर 5 हजार का इनाम घोषित किया गया था। बुधवार को पुलिस ने सूचना मिलने के बाद फरार इनामी आरोपी को नागझिरी क्षेत्र से गिर तार कर लिया जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है। पुलिस के अनुसार अब तक अपहरण मामले में 9 लोगों की गिर तारी हो चुकी है। दो फरार चल रहे हैं जिन्हें जल्द गिर तार कर लिया जाएगा।

शीघ्र स्वस्थ होंगे पं. रूपम , मुख्यमंत्री ने गुरु मां को दिया सहयोग का वचन

गुरु पूर्णिमा पर सांदीपनि आश्रम दर्शन पूजन के लिए पहुंचे सीएम, काल भैरव और विक्रांत भैरव के दर्शन कर किया नौका विहार

उज्जैन। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को उज्जैन पहुंचे। महर्षि सांदीपनि आश्रम पहुंचकर सीएम डॉ. यादव में पूजन अर्चन कर महाआरती की। इस दौरान पं. रूपम व्यास की माता जी से भी मुख्यमंत्री ने भेंट करते हुए सहयोग का आश्वासन दिया।

विश्व की प्रथम यूनिवर्सिटी के तौर पर दुनिया भर में प्रसिद्ध महर्षि सांदीपनि आश्रम 11 साल 7 माह की उम्र में भगवान श्री कृष्णा अपने बड़े भाई बलदाऊ और सखा सुदामा के साथ विद्या अर्जित करने के लिए आए थे यहां उन्होंने 64 दिनों तक रहकर शिक्षा ग्रहण की और 16 कलाओं में निपुण हुए।

गौरतलब है कि महर्षि सांदीपनि आश्रम के पुजारी रूपम व्यास वर्तमान में इंदौर के बॉम्बे हॉस्पिटल में भर्ती है, ऐसे में सीएम ने गुरु मां से सौजन्य चर्चा करते हुए पंडित रूपम की कुशलक्षेम पूछी। पं. जगत नारायण व्यास के निधन होने से पूर्व ही सांदीपनि आश्रम का चहुंमुखी विकास करने के लिए डॉ. यादव ने योजना बनाई जा चुकी थी। जिस पर मंथन चल ही रहा था कि जगत नारायण व्यास का निधन हो गया और अब उनके पुत्र पं. रुपम व्यास अचानक अस्वस्थ हो गए। गुरु पूर्णिमा पर जब मुख्यमंत्री आश्रम पहुंचे तो गुरु मां की अश्रु धारा फूट पड़ी, ऐसे में पं. रुपम की माताजी गुरु मां से मुख्यमंत्री ने चर्चा करते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

सीएम डॉ मोहन यादव ने शुक्रवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर महर्षि सांदीपनि आश्रम पहुंचकर भगवान श्री कृष्ण के गुरु महर्षि सांदीपनि के दर्शन कर पूजन अर्चन और आरती की। पूजा अर्चना पं. राजेश जोशी ने संपन्न करवायी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अति प्राचीन श्री कुंडेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान के दर्शन भी किए।

इस अवसर पर अभिमन्यु यादव, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, रवि सोलंकी, संजय अग्रवाल, राजपाल सिंह सिसौदिया एवं अन्य अधिकारीगण तथा नागरिक मौजूद रहे।

महर्षि सांदीपनि का वंशज पुजारी परिवार

नवभारत से चर्चा में मंदिर के पुजारी पं. राहुल व्यास ने व परिवार के सदस्यों ने जानकारी दी कि प्रतिवर्ष गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आश्रम में विशेष आयोजन किया जाता है। सांदीपनि आश्रम में प्रात : विशेष पूजन अर्चन और पंचामृत अभिषेक किया गया। साथ ही प्रथम बार शिक्षा प्रारंभ करने वाले विद्यार्थियों के द्वारा यहां पर स्लेट की पूजा की गई। भगवान श्रीकृष्ण जहां पढ़ने आए थे वह दुनिया की पहली यूनिवर्सिटी मानी जाती है। यही कारण है कि यहां पर अध्ययनशाला भी है और किताबों का बड़ा संग्रह है। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भी नई धार्मिक पुस्तकों का मुख्यमंत्री यादव ने विमोचन किया। यह पुस्तक अध्यनरत विद्यार्थियों के बीच वितरित की गई।

काल भैरव मंदिर पहुंचे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भगवान श्री काल भैरव के दर्शन कर पूजन अर्चन कर देश प्रदेश की सुख समृद्धि की। पूजन पुजारी ओमप्रकाश चतुर्वेदी, नीरज चतुर्वेदी ने संपन्न करवाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भगवान श्री महाकाल की नगरी से सभी देश प्रदेशवासियों को गुरु पूर्णिमा पर्व की मंगलकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश अपनी प्राचीन विरासत को सहेजकर विरासत से विकास के ध्येय को आत्मसात कर तीव्र गति से विश्व में अग्रणी राष्ट्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भगवान श्री विक्रांत भैरव के मंदिर पहुंचकर भगवान श्री विक्रांत भैरव के दर्शन कर पूजन अर्चन किया।

माता शिप्रा को प्रणाम कर नौका विहार किया

मुख्यमंत्री ने मां शिप्रा को प्रणाम करने के बाद नौका विहार कर घाट निर्माण के कार्यों का जायजा लिया। इसके साथ ही जल मार्ग के शुरू होने से श्रद्धालु जल,वायु और सड़क तीनों मार्ग से सुविधापूर्वक मंदिरों तक पहुंच कर दर्शन कर सकेंगे। गुरु पूर्णिमा पर मुख्यमंत्री उज्जैन पहुंचे। हेलीपैड पर आईजी उमेश जोगा संभाग आयुक्त संजय गुप्ता, कलेक्टर रोशन कुमार सिंह, एसपी प्रदीप शर्मा से लेकर सभी अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री का काफिला गीता कॉलोनी पहुंचा, यहां पर परंपरागत पूजन अर्चन करने के पश्चात परिजनों से सीएम ने भेंट की, भैरव पूर्णिमा पर प्राचीन पूजन की परंपरा है।

उधार देने से मना करने पर की युवक की हत्या

पांच घंटे में 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार, पत्थर से कुचला था सिर

उज्जैन। स्क्रेप का काम करने वाले युवक की पत्थर से सिर कुचलकर बुधवार-गुरुवार रात कालिदास उद्यान में हत्या कर दी गई थी। सुबह लाश मिलने के बाद मृतक की पहचान करते हुए पुलिस ने 5 घंटे की तलाश के बाद 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों मृतक के दोस्त है। उधार रूपये नहीं देने की बात पर हुए विवाद में पत्थरों से सिर कुचलकर हत्या की गई थी।

कार्तिक मेला ग्राउण्ड के पास कालिदास उद्यान में गुरुवार सुबह कुछ लोगों ने खून से लथपथ एक युवक की लाश पड़ी देखी। चारों ओर खून फैला हुआ था और बड़ा पत्थर पड़ा था। सूचना मिलते ही महाकाल टीआई गगन बादल टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि युवक की हत्या रात में की गई है। घटना स्थल पर खून से सने पत्थर के अलावा कुछ नहीं मिला। जांच के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। मृतक की पहचान के प्रयास करने पर उसका नाम राजा पिता चिमनलाल सिमरैया 45 वर्ष निवासी जूना सोमवारिया होना सामने आया। जानकारी लगते ही परिजन मौके पर पहुंच गए थे। उन्होंने बताया कि राजा स्क्रेप का कारोबार करता था। पुलिस ने हत्या में शामिल आरोपियों का पता लगाने के लिये आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे। जिसमें राजा के साथ 2 युवक दिखाई दिये। पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू की। पांच घंटे में जूना सोमवारिया में रहने अमन पिता अल्ताफ हुसैन 25 साल और अजीमुद्दीन पित अब्दुल अजीज को हिरासत में लिया गया। सख्त पूछताछ करने पर दोनों ने उद्यान में रखे गमले से सिर पर वार करने के बाद पत्थर से चेहरा कुचल कर हत्या करना कबूल कर लिया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि उन्होंने राजा से उधार रुपए मांगने थे, नहीं देने पर विवाद हुआ था और सिर पर गमला मार दिया था। थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि आरोपियों की पहचान सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से की गई। वहीं दोनों को चंद घंटों में गिरफ्तार करने में एसआई विकास देवड़ा, जितेन्द्र झाला, हेमंत जादौन, पुरूषोत्तम गोतम, एएसआई चंद्रभानसिंह, प्रधान आरक्षक मनीष यादव, सुनील पाटीदार, शैलेष योगी, राजपाल और आरक्षक गोपाल, पंकज की भूमिका रही।

भविष्य निधि संगठन के अधिकारी की उज्जैन स्थित संपत्ति कुर्क

भोपाल ईडी की टीम ने की कार्रवाई

उज्जैन। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की भोपाल टीम ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के पूर्व प्रवर्तन अधिकारी श्यामलाल अखंड और सहयोगियों की आवासीय और कृषि भूमि कुर्क की है। उज्जैन और इंदौर स्थित इस प्रॉपर्टी की कीमत करीब 50 लाख रुपए है। कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति के मामले में की गई है।

गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर ईडी ने जानकारी दी। और बताया कि अखंड और अन्य के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में जांच की जा रही है। इसी सिलसिले में 8 जुलाई को उज्जैन के नलवा गांव स्थित कृषि भूमि और इंदौर के जख्या में एमरॉल्ड सिटी स्थित एक आवासीय भूखंड को कुर्क किया है। अखंड ने अवैध रूप से अर्जित आय का उपयोग स्वयं, अपनी पत्नी और बेटे के नाम पर अचल संपत्तियां खरीदने के लिए किया है। कुर्की की यह कार्रवाई पीएमएलए 2002 के प्रावधानों के अंतर्गत की गई है। ईडी अधिकारियों के मुताबिक, ईपीएफओ में नौकरी करते हुए 2009 से 2019 के दौरान अखंड ने वैध आय से कहीं अधिक संपत्ति बनाई है। इसके अतिरिक्त कई पारिवारिक बैंक खातों में नकदी भी जमा पाई गई। इसके लिए उन्होंने अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया। जांच से पता चला है कि वह रिश्वत मांगने जैसे भ्रष्ट आचरण में लिप्त थे। छह साल पहले सीबीआई द्वारा अखंड के खिलाफ की गई छापेमारी की कार्रवाई के दौरान यह बात सामने आई थी कि उन्होंने मंदसौर की सांई कंस्ट्रक्शन कंपनी से पीएफ की गड़बड़ी को दबाने के नाम पर 5 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी।

गढ़कालिका मंदिर में माता को लगाया छप्पन भोग

उज्जैन। गुरूपुर्णिमा एवं श्रावण मास के उपलक्ष्य में गढ़कालिका मंदिर में माता को छप्पन भोग लगाया गया। गढ़कालिका मंदिर में नन्हें गादीपति महंत आदित्य नाथ पुजारी और गढ़कालिका मंदिर की मुख्य पुजारी टीना नाथ पुजारी द्वारा गढ़कालिका मंदिर पर छप्पन भोग अर्पित कर महाआरती की। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रध्दालु मौजूद रहे। पश्चात प्रसादी वितरण किया गया।

आज समर्पण कावड़ यात्रा की अगवानी करेंगे मुख्यमंत्री

उज्जैन। समर्पण कावड़ यात्रा का आगमन शुक्रवार को महाकाल की नगरी में होगा। सभी कावड़यात्री इंदौर से उज्जैन की ओर आ रहे हैं। जिनकी अगवानी शनि मंदिर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज सुबह 9.30 बजे करेंगे। नवभारत से चर्चा में समर्पण कावड़ यात्रा की कमान संभालने वाले भाजपा नेता ओम जैन ने बताया कि उत्तम स्वामी जी महाराज द्वारा वर्षों से यात्रा का संचालन किया जा रहा है, और प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी यात्रा आ रही है जिसमें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री भी शामिल होकर यात्रा की अगवानी करेंगे।

मुख्यमंत्री सुबह 9.30 बजे

त्रिवेणी घाट पर समर्पण यात्रा में पहुंचेंगे, उसके बाद इंदौर निकल जाएंगे वहां आयोजनों में शामिल होने के पश्चात शाम को वापस उज्जैन पहुंचेंगे और विकास प्राधिकरण के कार्यक्रम में शामिल होंगे और फिर रात्रि विश्राम उज्जैन में ही करेंगे। 12 जुलाई को उज्जैन के अन्य कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

शनि मंदिर त्रिवेणी घाट पर स्वागत

उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने बताया कि महाकाल की नगरी में लगातार यूं तो धार्मिक सांस्कृतिक आयोजन होते रहते हैं। सावन माह में वृहद स्तर पर कार्यक्रमों की श्रृंखला बढ़ जाती है। समर्पण कावड़ यात्रा आज उज्जैन पहुंचेगी। जिसमें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज सुबह 9 .30 बजे शनि मंदिर के त्रिवेणी घाट पर उपस्थित रहेंगे। स्वागत सत्कार की तैयारियां पूरी कर ली गई है। विकास प्राधिकरण द्वारा एक महत्वपूर्ण योजना लॉन्च की गई है। क्षिप्रा विहार में होटल हब प्रस्तावित है, साथ ही इंदौर की 56 दुकान की तर्ज पर उज्जैन में भी 56 दुकान निर्मित की जाएगी, इन दोनों योजनाओं के तहत प्राधिकरण विकसित प्लाट खरीदारों को बेचेगा। इस दोनों योजना का भूमि पूजन मुख्यमंत्री ने आज शाम 5 बजे किया जाएगा, इसके लिए दो दिन से तैयारी की जा रही है। भूमि पूजन के बाद मुख्यमंत्री नानाखेड़ा स्थित आवासीय एवं सह-वाणिज्यिक माल का लोकार्पण भी करेंगे।

कावड़ियों के दर्शन सभामंडप में पहुंचकर पात्र के जरिए भगवान को जल चढ़ा सकेंगे

आज से श्रावण मास, महाकल में अनुमति वाले कावड़ियों को 4 नंबर से प्रवेश

नवभारत न्यूज

उज्जैन। श्रावण मास आज शुक्रवार शुरू हो जाएगा। उज्जैन में ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में देशभर से लाखों श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए उमड़ेंगे। मंदिर आम श्रद्धालुओं के सुलभ दर्शन हेतु समिति ने इंतजाम किए है। वहीं पूर्व से अनुमति प्राप्त कावड़ियों के लिए 4 नंबर गेट से प्रवेश की व्यवस्था की गई है।

कावड़ यात्री सभामंडप में पहुंचकर समिति द्वारा लगाए गए पात्र के जरिए भगवान महाकाल को जल चढ़ा सकेंगे। श्रावण मास के दौरान आने वाले कावड़ यात्रियों के करीब 40 दल ने अनुमति के लिए समिति को आवेदन दिए है। कावड़ियों को सप्ताह में तीन दिन शनिवार, रविवार व सोमवार को छोड़कर चार दिन मंदिर में विशेष रूप से गेट 4 से प्रवेश की अनुमति रहेगी। समिति के उप प्रशासक एसएन सोनी ने बताया प्रतिवर्ष के अनुसार इस बार भी देश के विभिन्न राज्यों से 118 कावड़ यात्रा संघ मंदिर आते हैं। अभी तक करीब 40 आवेदन अनुमति के लिए आ चुके हैं। ऑफलाइन व ऑनलाइन दोनों व्यवस्था से आने की तारीख, समय, कांवड़ियों की संख्या आदि जानकारी देकर अनुमति ली जा सकती है। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों से भी कावड़िए महाकाल महाराज का जल चढ़ाकर पुन: अपने गंतव्य की ओर लौट जाएंगे।

महाकाल की सवारी में देंगे सेवा

उज्जैन। सन् 1918 से रजिस्टर्ड सेवा समिति उज्जैन के स्वंय सेवक विगत कई वर्षों से बाबा महाकाल की सवारी में सेवा देते आ रहे है। इस वर्ष भी सुभास गौड अध्यक्ष, महेश सिंह बैस सचिव, सेवा समित के निर्देशन में सभी स्वंय सेवक अपनी सेवा महाकाल की सवारी में देने को तैयार हैं।

श्रावण भादो के चलते अधिकारी कर्मचारियों की छुट्टी पर रोक

श्रावण, भादो मास में महाकाल मंदिर में लाखों दर्शनार्थियों की व्यवस्था और सवारियों के चलते उज्जैन कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने अधिकारियों-कर्मचारियों की छुट्टी पर रोक लगा दी है। यह रोक 11 जुलाई से 20 अगस्त तक रहेगी। कलेक्टर ने पूर्व से स्वीकृत सभी प्रकार के अवकाश भी तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए हैं। साथ ही शनिवार और रविवार एवं अन्य सरकारी अवकाश के दिनों में भी सभी अधिकारियों को जिला मुख्यालय पर रहने के आदेश जारी किए हैं।

9 अगस्त को आ रही राखी भद्रा नहीं होने से पूरे दिन बांध सकेंगे

इस बार राखी 9 अगस्त को आ रही है। भद्रा का साया नहीं होने से पूरे दिन राखी बांधी जा सकेगी। श्रवण नक्षत्र व सौभाग्य योग का संयोग भी बन रहा है। अक्सर रक्षा बंधन पर भद्रा का साया होने के कारण मुहूर्त देखकर राखी बांधी जाती है। लेकिन इस बार पूरे दिन ही भद्रा का प्रभाव नहीं रहेगा, जिससे किसी भी समय राखी बांधी जा सकेगी। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. अमर डब्बावाला ने बताया कि इस वर्ष रक्षाबंधन श्रवण नक्षत्र, सौभाग्य योग, बव करण और पूर्णिमा तिथि में पर्व मनाया जाएगा। इस दिन चंद्रमा मकर राशि में स्थित रहेगा। सर्वार्थ सिद्धि योग में प्रात : से दोपहर 2 .40 बजे तक शुभ मुहूर्त रहेगा। सायंकाल में भी शुभ योग में राखी बांधी जा सकेगी।